



For more information please contact:

Prof. (Dr.) Asis Mazumdar
Nodal Coordinator
coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in



Dr. Sanjay Bala
Regional Director
rdrcfc@jadavpuruniversity.in

Regional-cum-Facilitation Centre, Eastern Region
NMPB, Ministry of AYUSH, Government of India
Jadavpur University, Kolkata - 700032

Tel: +91-33-24146979, Fax: +91-33-24146886
Email: rcfcnmpb@jadavpuruniversity.in, Website : <http://www.rcfceast.org>



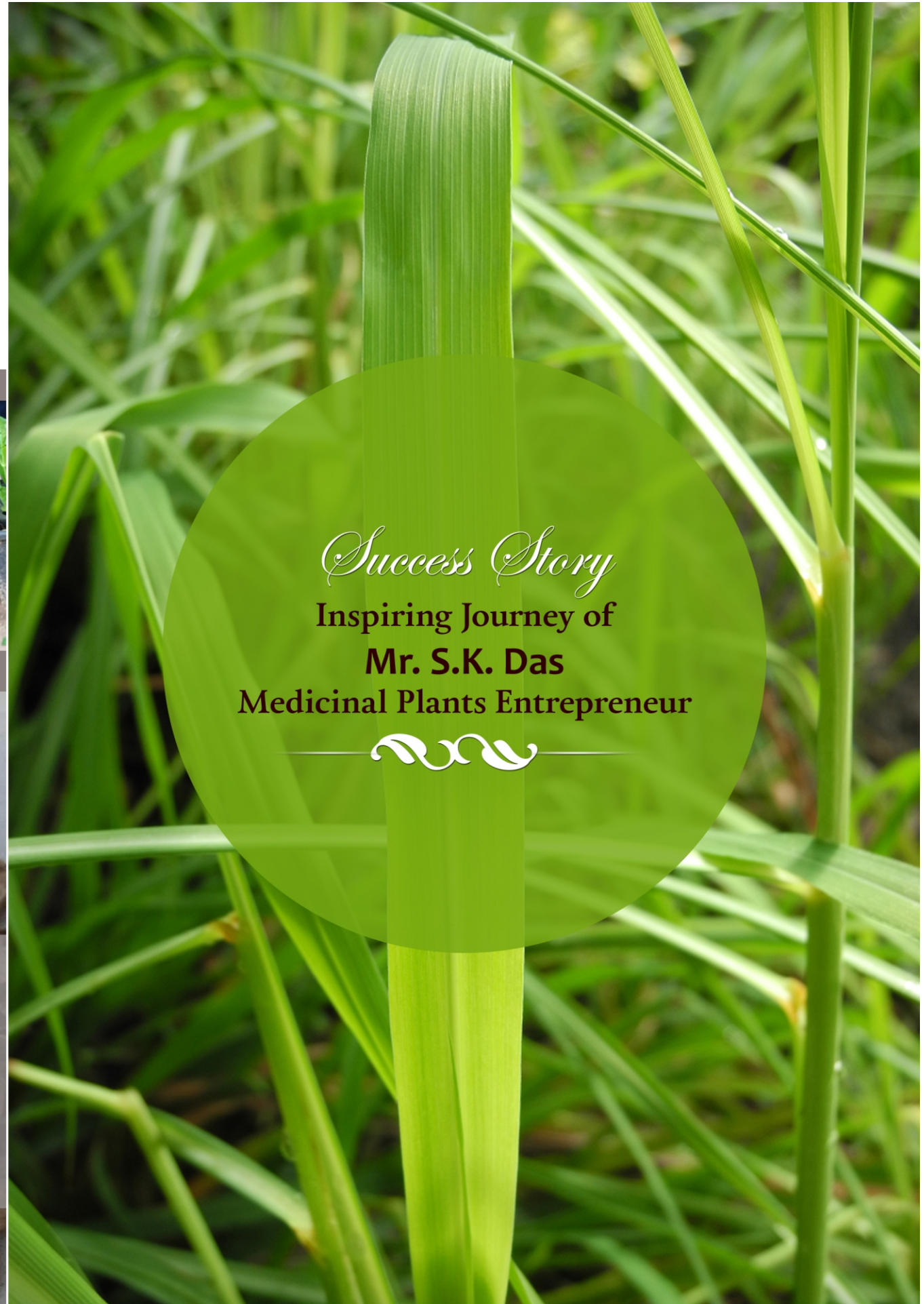
Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)

**Regional cum Facilitation Centre
Eastern Region
National Medicinal Plants Board
Ministry of AYUSH, Govt. of INDIA
Jadavpur University, Kolkata**

At present, he is the Adjunct Professor of Centurion University, Odisha and also actively involved in two companies namely - 1. "Phytobiox Manufactures Pvt. Ltd.", having Import-Export code for export of Botanical products, and helping the farmers for value addition and marketing of Medicinal Plant products, being established the Common Facility Centre (CFC) in Suliapada block, of Mayurbhanj; and 2. "Foothill Rubber Plants Pvt. Ltd.", is Producing the quality Planting Materials to meet the demand of the rubber of Farmers, Corporate and others.

As an medicinal plants entrepreneur, Mr. Das envisage to establish a super critical (CO₂) extraction unit in Odisha to help 50,000 farmers family for their evolutionary livelihood and dignity of life.



Success Story
Inspiring Journey of
Mr. S.K. Das
Medicinal Plants Entrepreneur





Cultivation and Marketing Detail of Medicinal Plants by Mr. S.K. Das

SL. No.	Name of the species	Area (in ha) cultivated	Product Supplied to	Year of Cultivation
1.	Ranti Bange (<i>Solanum viarum</i>)	324	Synthozym Laboratory, Jalgaon	2002
2.	Ashwagandha (<i>Withania somnifera</i>)	243	Local pharmacies of Odisha	2006
3.	Gurmar (<i>Gymnema sylvestre</i>)	207	"Best Nutrition" (USA) through Biotech Ayur, Balasore, Local Traders	2006
4.	Sadabahar (<i>Catharanthus alba</i>)	227	Laboratory PFR (France) through Indian Village Herbs Pvt. Ltd., Chennai	2008
5.	Batch (<i>Acorus calamus</i>)	3	Local Traders	2009
6.	Sarpagandha (<i>Rauwolfia serpentina</i>)	67	Biotech Ayur, Local Traders	2014-2018
7.	Lemongrass (<i>Cymbopogon flexuosus</i>)	498	Exported to "doTERRA", USA via Mumbai	2014 onwards

Mr. Santosh Kumar Das has established himself as a medicinal plants entrepreneur, who is involved in raising quality planting material, cultivation, primary processing and marketing by organizing farmers and establishing linkage with international market. As on date, he has the credit of cultivating about 500 ha of commercial Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*) in Mayurbhanj, Balangir, Keunjhar and other districts of Odisha and about 70 ha of Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*) in Mayurbhanj district of Odisha involving more than 1200 farmers with 100% marketing assurance of the products. He has reach in the domestic as well as international market including United States of America (USA) and Europe with quality products of medicinal plants origin. His total volume of medicinal plants related business has raised around 2 Crores in last financial year (2018-19).



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)

Mr. Das, the trained forester, has started his early career as a Forester in Odisha Forest Department and worked around 16 years. He perceived the declining medicinal plants treasure from natural forests and envisage to grow outside the forest areas. He just made a trial with commercial nursery of Medicinal Plants for quality planting materials and enter into a good business. Since then, he carried out several field trials, value-addition and marketing of medicinal plants and gradually became an Entrepreneur in the sector having the experience on cultivation and marketing of medicinal plants.

As the Director of 'SABUJA BIPLAV' (an NGO, creating an enabling environment for the Conservation, Socialization, Promotion, Research and Marketing of Medicinal Plants in Odisha), Mr. Das has developed quality planting material of Gurmar (*Gymnema sylvestre*), Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*) and Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*) with the financial assistance by RCFC-ER, NMPB and proved his expertise.

Mr. Das has the honour of working as Consultant in World bank project related to Medicinal Plants for sustainable livelihood (In-situ sustainable harvest and Ex-situ cultivation), and also Consultant for NR International supported by DFID-Western Orissa Rural Livelihood Project for 'Home Herbal Garden'.



Sadabahar (*Catharanthus alba*)



Batch (*Acorus calamus*)



Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*)



Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*)



Mr. S.K. Das

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

प्रोफेसर (डॉ.) आशिस मजुमदार, नोडल समन्वयक, डॉ. संजय बाला, क्षेत्रीय निदेशक
coordinatorrrcfc@jadavpuruniversity.in rdcrcfc@jadavpuruniversity.in

क्षेत्रीय-सह-सुविधा केन्द्र, पूर्व क्षेत्र एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता-700032
टेलीफोन : 91.33.24146979, फैक्स: +91.33.24146886 ई-मेल: rcfcnmpb@jadavpuruniversity.in,
वेबसाइट: <http://www.rcfceast.org>

राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, आयुष भवन, आईआरसीएस एनेक्सी बिल्डिंग, रेड क्रॉस रोड,
नई दिल्ली - 110001, दूरभाष: + 91-11-28698229, फैक्स: +91-11-28698228, ईमेल: info-nmpb@nic-in,
वेबसाइट: <http://www-nmpb-nic-in>

फाइटोबायोक्स मनुफैक्चरस प्राइवेट लिमिटेड जो वनस्पती का आयात-निर्यात करता है एवं किसानों को मूल्य संवर्धन के साथ बाजार व्यवस्था में मदद करता है इसके द्वारा सुलीपाडा प्रखंड मयूरभंज जिला में सी एफ सी की स्थापना की गई है।

फुटहील रबर प्लांट प्राइवेट लिमिटेड जो रबर की खेती के लिए गुणवत्तायुक्त पौधों का उत्पादन एवं खेती में सहयोग करता है।

औषधीय पौधों के सफल उद्यमी श्री एस के दास उड़ीसा के 50 हजार परिवारों को खेती से जिविकोपार्जन के साधन में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही कार्बन उत्सर्जन जैसे गंभीर समस्याओं को न्यूनतम करने में सहयोग कर रहे हैं।



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



Lemon grass Oil extraction Unit



क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र (आरसीएफसी)
पूर्वी क्षेत्र
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड (एनएमपीबी)
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत

औषधीय पौधों के उद्यमीता में
श्री एस के दास का
प्रेरणादायक सफर रहा है





श्री संतोष कुमार दास ने औषधीय पौधों की खेती को उद्योग में स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इन्होंने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, खेती, प्रसंस्करण और बाजार को संगठित किसान समूह के लिए उपलब्ध कराने का कार्य किया। इनके द्वारा घरेलु बाजार से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक उत्पाद को बेचा जाता है। आज इनके देख-रेख में 500 हेक्टेयर लेमनग्रासकी व्यवसायिक खेती उड़ीसा के मयूरभंज, बालंगीर, कौझर आदी जिलों में किया जा रहा है। 70 हेक्टेयर में सर्पगंधा की खेती 1200 किसानों के साथ मयूरभंज जिला में किया जा रहा है जिसकी 100 प्रतिशत मांग बनी रहती है। इनकी साख अमेरिका और यूरोप के बाजार में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के लिए बनी हुई है। इन्होंने 2018-19 में औषधीय पौधों के व्यवसाय से अपने लाभ में 2 करोड़ की वृद्धि की है।



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)

श्री एस के दास द्वारा औषधीय पौधों की खेती एवं बाजार का विवरण:-

क्रम सं	प्रजाती का नाम	क्षेत्र (हेक्टेयर में)	खरीददार का नाम	खेती का वर्ष
1.	रतीभंग-सोलेनम वियरम	324	सांथोजाइम लेबोरेट्री जलगाँव	2002
2.	अश्वगंधा- बिथेनिया सॉमनीफेरा	243	उड़ीसा का स्थानीय खरीददार	2006
3.	गुरमार- जाइमनेमा साइलवेस्ट्रा	207	बेस्ट न्युट्रियंस (यू एस ए)थू बायोटेक आयूर बालासोर, स्थानीय खरीददार	2006
4.	सदाबाहार -कैथारेन्थस अल्बा	227	लेबोरेट्री पी उफ आर (फ्रांस) थू इंडियन विलेज हर्बस प्रा. लि. चेन्नई	2008
5.	बच-एकोरस कैलेमस	3	स्थानीय खरीददार	2009
6.	सर्पगंधा - रिबोलफिया सरपेनटिना	67	बायोटेक आयूर स्थानीय खरीददार	2014-18
7.	लेमनग्रास-साइमबोपोगम फ्लैक्सियोसिस	498	एक्सपोर्टेड टू "डी ओ टी इ आर आर ए" यू एस ए वाया मुंबई	2014 ऑनवार्ड

श्री एस के दास ने अपने जीवन यात्रा की शुरुआत उड़ीसा के वन विभाग में वनपाल से शुरू किया और 16 वर्षों तक अपना सेवा भी दिया। उन्होंने वनों से संग्रहित हो रहे औषधीय पौधों को खेती के माध्यम से उत्पादन करने का कार्य शुरू किया जिससे वनों में औषधीय पौधों की विलुप्ति की समस्या दूर हुई। प्रारंभ ने इन्होंने गुणवत्ता युक्त रोपण सामग्री के लिए नर्सरी की स्थापना की जिससे इनके लिए बेहतर संभावनाओं का द्वार खुला। इसके बाद इन्होंने एक सफल उद्यमी बनने के लिए अपना ध्यान केन्द्रित किया इससे इनके औषधीय पौधों के क्षेत्र में ज्ञान की वृद्धि हुई।

श्री संतोष कुमार दास ने एक गैर सरकारी संस्था सबुना विप्लव जो पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्थान एवं औषधीय पौधों के बाजार के लिए काम करता है ने गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री जैसे गुरमार, लेमनग्रास, सर्पगंधा आदी पर कार्य आर सी एफ सी पूर्वी क्षेत्र एन एम पी बी के सहयोग एवं देखरेख में शुरू किया। इसी दौरान श्री एस के दास को विश्व बैंक पोषित परियोजना " औषधीय पौधों से आजीविका उत्थान" में सलाहकार बनाया गया तथा एन आर इंटरनेशनल द्वारा पोषित डी एफ आइ डी पश्चिमी उड़ीसा के ग्रामिण जिविकोपार्जन में उत्थान के लिए गृह औषधीय वाटिका परियोजना में भी सलाहकार का कार्य किया।

वर्तमान में श्री संतोष कुमार दास उड़ीसा के सुन्दुरियन विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर रहते हुए दो कम्पनियों से भी जुड़े हुए हैं।



Sadabahar (*Catharanthus alba*)



Batch (*Acorus calamus*)



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



श्री एस के दास

বিজ্ঞানিত জানতে অনুগ্রহ পূর্বক যোগাযোগ করুন :

প্রফেসর (ডঃ) আশিষ মজুমদার, নোডাল কোঅর্ডিনেটর, আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র (আর সি এফ সি),
জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন এম পি বি), আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার,
যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা - ৭০০০৩২
দুরাভাষ : +৯১ ০৩৩ ২৪১৪ ৬৯৭৯, ফ্যাক্স : +৯১ ০৩৩ ২৪১৪ ৬৮৮৭
ই-মেইল : rcfcmmpb@jadavpuruniversity.in
ওয়েবসাইট : <http://www.jaduniv.edu.in>, <http://www.rcfceast.org>

জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন এম পি বি), আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার,
আয়ুশ ভবন, জিপিও কম্পলেক্স, আই এন এ, নয়াদিল্লি - ১১০০২৩
দুরাভাষ : +৯১-১১-২৪৬৬৬৮২৫, ফ্যাক্স : +৯১-১১-২৪৬৬৬৮২৭
ই-মেইল : info-nmpb@nic.in, ওয়েবসাইট : <http://www.nmpbb.nic.in>

বর্তমানে তিনি উড়িষ্যার সেকুঁরিয়ান বিশ্ববিদ্যালয়ের উপদেষ্টা অধ্যাপক হিসেবে কর্মরত এবং এছাড়াও দুটি কোম্পানির সাথে সক্রিয়ভাবে জড়িত রয়েছেন - (১) ফাইটোবিওক্স ম্যানুফ্যাকচারার, এইখানে উদ্ভিজ পন্যের রপ্তানীর জন্য আমদানী-রপ্তানী কোড রয়েছে এবং কৃষকদের ঔষধি গাছ-গাছালি পন্যের মূল্য নির্ধারণ, যোগান ও বিপননে সহায়তা করে থাকে। ময়ূরভঞ্জে র সুলিয়া পাড়া ব্লকের কমন সুবিধা কেন্দ্রের (CFC) মাধ্যমে। (২) ফুট হিল রাবার প্লেটস্ প্রাঃ লিঃ এইখানে কৃষক, কর্পোরেট ও অন্যান্যদের রবারের যোগান মেটানোর জন্য উন্নত গুণমানের উদ্ভিজ পন্যের উৎপাদন করা হয়।

ঔষধি গাছ-গাছালির বিশেষ উদ্যোক্তা শ্রী দাসের পরিকল্পনা মাফিক সুপার ক্রিটিকেল (CO²) এক্সটেকসান ইউনিট প্রতিষ্ঠার মাধ্যমে উড়িষ্যার প্রায় ৫০,০০০ কৃষক পরিবার তাদের জীবিকা ও জীবনের সঠিক মূল্যায়নের সহায়তা লাভ করেছেন।



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



Lemon grass Oil extraction Unit



আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র (আর সি এফ সি)
পূর্ব অঞ্চল
জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন এম পি বি),
আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার
যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা, পশ্চিমবঙ্গ

ঔষধি গাছ গাছালির
সংরক্ষণ ও বিপননে
শ্রী সন্তোষ কুমার দাসের-
এক উদ্যোগী পথযাত্রা





শ্রী সন্তোষ কুমার দাস, ঔষধি গাছ গাছালি উৎপাদন, তার গুনমান সংরক্ষণ ও বিপননে একজন উজ্জ্বল পথ প্রদর্শক। তিনি কৃষকদের সংগঠিত করে উন্নত প্রজাতির ঔষধি গাছ গাছালি রোপন প্রক্রিয়াজাতকরণ ও বিপননের মাধ্যমে আন্তর্জাতিক বাজারের সাথে এক বিশাল সম্পর্ক তৈরি করেছেন।

আজকের দিনে উড়িষ্যার ময়ূরভঞ্জ, বালান্দীর, কিন্ডার ও অন্যান্য জেলায় প্রায় ৫০০ হেক্টর জমিতে বানিজ্যিক ভাবে লেমন গ্রাস চাষ ও উড়িষ্যার ময়ূর ভঞ্জ জেলায় ৭০ হেক্টর জমিতে সর্পগন্ধা চাষের অনন্য কৃতিত্বের অধিকারী তিনি। তাঁর এই কর্মকাণ্ডের সাথে জড়িত ছিল ১২০০ এর উপর কৃষক আর তার সাথে ছিল পনের ১০০% বিপননের আশ্বাস। তিনি জাতীয় ও সর্বোপরি মার্কিন যুক্তরাষ্ট্র, ইউরোপিয় বিভিন্ন দেশগুলি সহ আন্তর্জাতিক বাজারে ঔষধি গাছ গাছালির সার্বিক গুনমানের পন্য পৌঁছে দিয়েছেন। গত আর্থিক বছরে (২০১৮-১৯) ঔষধি গাছ গাছালির বানিজ্যিক বিপননে তার মোট আয় ৩ কোটি টাকার ও বেশী।



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)

শ্রী এস কে দাসের ঔষধি উদ্ভিদ ও বিপননের বিস্তারিত বিবরণ

SL. No.	Name of the species	Area (in ha) cultivated	Product Supplied to	Year of Cultivation
1.	Ranti Bange (<i>Solanum viarum</i>)	324	Synthozym Laboratory, Jalgaon	2002
2.	Ashwagandha (<i>Withania somnifera</i>)	243	Local pharmacies of Odisha	2006
3.	Gurmar (<i>Gymnema sylvestre</i>)	207	Local Traders	2006
4.	Sadabahar (<i>Catharanthus alba</i>)	227	Laboratory PFR (France) through Indian Village Herbs Pvt. Ltd., Chennai	2008
5.	Batch (<i>Acorus calamus</i>)	3	Local Traders	2009
6.	Sarpagandha (<i>Rauwolfia serpentina</i>)	67	Biotech Ayur, Local Traders	2014-2018
7.	Lemongrass (<i>Cymbopogon flexuosus</i>)	498	Exported to "doTERRA", USA via Mumbai	2014 onwards

শ্রী দাস একজন প্রশিক্ষিত বনকর্মী হিসেবে তাঁর কর্মজীবন শুরু করেছিলেন। তিনি বন জঙ্গলের প্রকৃতির মাঝ থেকে এই ঔষধি গাছ-গাছালির বিশাল সম্পদ বন জঙ্গলের বাইরের পরিবেশে কিভাবে চাষ করা যায় তা নিয়ে চিন্তা ভাবনা শুরু করেন। তিনি প্রথমে ঔষধি গাছ-গাছালির একটি নার্সারী তৈরি করে তাতে উন্নত গুনমানের ঔষধি গাছ - গাছালি চাষ শুরু করেন এবং সেটিকে একটি বানিজ্যিক রূপ দেন। এরপর তিনি ঔষধি গাছ- গাছালি চাষ শুরু করেন এবং সেটি কে একটি বানিজ্যিক রূপ দেন। এরপর তিনি ঔষধি গাছ - গাছালির বিভিন্ন পরীক্ষা নিরীক্ষা মূল্যায়ন ও বিপননের মাধ্যমে ধীরে ধীরে প্রধান উদ্যোক্তা হিসেবে নিজেকে প্রতিষ্ঠিত করেন এবং ঔষধি গাছ - গাছালির পনের বিপননে বিশাল অভিজ্ঞতা লাভ করেন।

শ্রী দাস "সবুজ বিপ্লব" (একটি এন জি ও উড়িষ্যাতে ঔষধি গাছ - গাছালির সংরক্ষণ, প্রচার গবেষণা ও বিপননের এক সক্রিয় প্রতিষ্ঠান) এর ডিরেক্টর হিসেবে এবং আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র, পূর্ব অঞ্চল, জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ এর আর্থিক সহায়তায় গুরমার, লেমন গ্রাস ও সর্পগন্ধার গুনমান উন্নত করনে এক বিশেষ ভূমিকা পালন করেন এবং নিজের দক্ষতা প্রমাণ করেন।

এই সময়ে শ্রী দাস বিশ্ব ব্যাংকের ঔষধি গাছ-গাছালি সম্পর্কিত স্থায়ী জীবিকা শেষ্য ও চাষের মান নির্বাচন সংক্রান্ত প্রকল্পের জন্য বিশেষ পরামর্শ দাতা হিসেবে কাজ করার সম্মান লাভ করেন এবং এছাড়াও DFID Western এবং সমর্থিত N R International এর Home Herbal এর গ্রামীণ জীবিকা প্রকল্পে পরামর্শদাতা হিসেবে কাজ করেন।



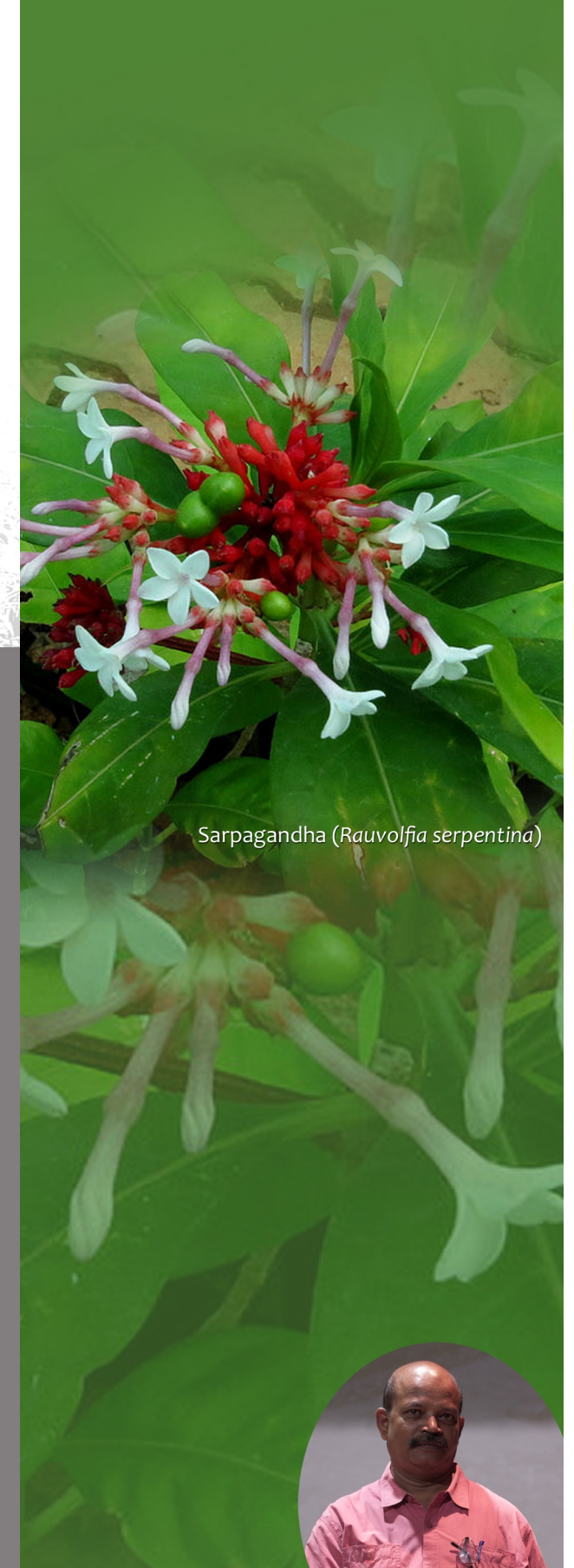
Sadabahar (*Catharanthus alba*)



Batch (*Acorus calamus*)



Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*)



Sarpagandha (*Rauwolfia serpentina*)





শ্রী এস কে দাস



ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ ଦୟା କରି ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ :-
 ପ୍ରଫେସର (ଡକ୍ଟର) ଅଶୀଷ ମନ୍ତ୍ରମଦାର, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସମନ୍ୱୟକାରୀ
 ମନ୍ତ୍ରାଳୟ ସମ୍ପର୍କିତ ଉପାଦାନ ପ୍ରଦାନ ଏବଂ ଉପାଦାନ ବିକାଶ କର୍ମସୂଚୀ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା
 coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in
 ଡକ୍ଟର ସଂଜୟ ବାଲି, କ୍ଷେତ୍ରୀୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ
 rdrcfc@jadavpuruniversity.in
 କ୍ଷେତ୍ରୀୟ ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ର, ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ଶାଖାକେନ୍ଦ୍ର, ଏନ୍.ଏମ୍.ସି.ବି.
 ଆୟୁଷ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ଭାରତ ସରକାର,
 ଯାଦବପୁର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କୋଲକାତା-୭୦୦୦୩୨
 ଟେଲିଫୋନ୍ : +୯୧-୩୩-୨୪୧୪୨୯୯୯, ଫ୍ୟାକ୍ସ : +୯୧-୩୩-୨୪୧୪୨୯୯୯
 ଇମେଲ୍ : rcfcmppb@jadavpuruniversity.in
 ୱେବସାଇଟ୍ : <http://www.rcfceast.org>



କ୍ଷେତ୍ରୀୟ ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ର
 ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ଶାଖା କ୍ଷେତ୍ର
 ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ପରିଷଦ
 ଆୟୁଷ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ଭାରତ ସରକାର,
 ଯାଦବପୁର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କୋଲକାତା

ଶ୍ରୀ ଦାସଙ୍କ ଦ୍ୱାରା “ସରୁଜ ବିପ୍ଳବ” ନାମକ ଏକ ଏନ.ଜି.ଏ. ବର୍ତ୍ତମାନ ରାଜ୍ୟରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଛି । ଅଜଣା ବୃକ୍ଷକୁ କିପରି ବହୁ ମୂଲ୍ୟବାନ ଔଷଧ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରାଯାଇ ପାରିବ, ସେ ଦିଗରେ ତାଙ୍କର ନିରନ୍ତର ଉଦ୍ୟମ ଆଜି ବିଭିନ୍ନ ବଡ଼ ବଡ଼ ଦେଶରେ ପ୍ରଚାରିତ ଓ ପ୍ରସାରିତ । ଏ ଦିଗରେ ଆର୍.ସି.ଏଫ୍.ସି-ଇ. ଆର୍.ଡାକ୍ତା ଉନ୍ନତ ବାରା ପ୍ରସ୍ତୁତି ପାଇଁ ଅନୁଦାନ ପ୍ରଦାନ କରିବା ସମେତ ଏହି ମହତ କାର୍ଯ୍ୟରେ ସହଯୋଗ ଯୋଗାଇ ଦେଇ ଆସୁଅଛନ୍ତି ।

ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଦାସ ବିଶ୍ୱ ବ୍ୟାଙ୍କର ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ସମ୍ପର୍କିତ ସ୍ଥାୟୀ ଜୀବିକା ପ୍ରକଳ୍ପ (ଓଭି - ଝିପ୍ପିଏ ଅମଳ ଉପ - ଝିପ୍ପିଏ ଚାଷରେ) କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାର ସମ୍ମାନ ପାଇ ପାରିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଦାସ ଯତ୍ନରେ ଔଷଧୀୟ ବଗିଚା ପାଇଁ ପରାମର୍ଶଦାତା ଭାବରେ ଏନ୍. ଆର୍. ଇଣ୍ଡିଆନାସନାଲ ସଂସ୍ଥା ସହ କାର୍ଯ୍ୟ କରି ଉଚ୍ଚ ପ୍ରଶଂସିତ ହୋଇ ପାରିଛନ୍ତି, ଯାହା ଡି. ଏଫ୍. ଆଇ. ଡି - ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶା ଗ୍ରାମ୍ୟ ଜୀବିକା ପ୍ରକଳ୍ପ ଦ୍ୱାରା ସମର୍ଥନ ଥିଲା ।



ସଫଳତା କାହାଣୀ
 ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ଉଦ୍ୟୋଗୀ ଭାବେ
 ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ଦାସଙ୍କ ସଫଳ ଯାତ୍ରା



ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ଦାସ ଜଣେ ବିଶିଷ୍ଟ ଔଷଧୀୟ ଚାଷ ଉଦ୍ୟୋଗୀ । ପରିବେଶ ସୁରକ୍ଷା ସହ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ଚାଷରେ ତାଙ୍କର ଗଭୀର ଜ୍ଞାନ ତାଙ୍କୁ ସମାଜରେ ଜଣେ ସୁପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାବରେ ପରିଚିତ କରାଇ ପାରିଛି । ନିଜସ୍ୱ ଗୁଣରେ ଅଧିକାରୀ ଶ୍ରୀ ଦାସ ଅଧୁନା ସେକ୍ସ୍ଟରିୟନ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟ, ଓଡ଼ିଶାର ସଂଯୁକ୍ତ ଅଧ୍ୟାପକ ଅଛନ୍ତି । ଏତଦ୍ୱିତ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଦାସ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଫାଇଟୋ ବାୟୋଲୋଜି ମ୍ୟାନିଫାକଚର ପ୍ରାଇଭେଟ ଲିମିଟେଡ୍ କମ୍ପାନୀ ସହିତ ଜଡ଼ିତ ରହି ବନସ୍ପତି ଉତ୍ପାଦିତ ଦ୍ରବ୍ୟର ରସାୟନ ଓ ଆମଦାନୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ନିଜକୁ ସକ୍ରିୟ ଭାବରେ ସଂଯୁକ୍ତ କରି ପାରିଛନ୍ତି । ଏତଦ୍ୱାରା କ୍ଷେତ୍ରୀୟ ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କର ଉପଯୁକ୍ତ ଉତ୍ପନ୍ନ ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରି ଉପରୋକ୍ତ ଚାଷୀମାନଙ୍କର ଆର୍ଥିକ ମାନଦଣ୍ଡକୁ ଉନ୍ନତ କରି ପାରିଛନ୍ତି । ଏଥି ନିମନ୍ତେ ଶ୍ରୀ ଦାସ ମୟୂରଭଞ୍ଜର ଶୁକ୍ଳିଆପଦାଠାରେ ଏକ ସାଧାରଣ ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରି ଆଞ୍ଚଳିକ ଆଦିବାସୀ ଓ ନାମମାତ୍ର ଚାଷୀମାନଙ୍କର ଅର୍ଥନୈତିକ ମାନଦଣ୍ଡରେ ଉନ୍ନତ ଆଣିବା ଦିଗରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ନିଭାଇ ପାରିଛନ୍ତି ।



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)



Lemongrass (*Cymbopogon flexuosus*)

ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଦାସଙ୍କର ଅନ୍ୟ ଏକ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ଅବଦାନ ହେଉଛି ଫୁଟ୍ ହିଲ୍ ରବର ପୁଲ୍ଟସ ପ୍ରାଇଭେଟ୍ ଲିମିଟେଡ୍ । ଫଳତଃ ଓଡ଼ିଶାରେ ରବର ସହିତ ଔଷଧୀୟ ଚାଷର ଉନ୍ନତ ଚାରା ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ଯୋଗାଇବାରେ ଅନନ୍ୟ ଉଦାହରଣ ସୃଷ୍ଟି କରି ପାରିଛନ୍ତି ।

ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଦାସ ଜଣେ ସଫଳ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ଉଦ୍ୟୋଗୀ । ତାଙ୍କ ନିଜସ୍ୱ ଉଦ୍ୟମରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ସୁପର କ୍ରିଟିକାଲ (ଉଚ୍ଚ ୨) ଉତ୍ପାଦନ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପାଇଁ ଉଦ୍ୟମ ବଳବତ୍ତର ରଖିଛନ୍ତି । ଏହା ହୋଇ ପାରିଲେ, ସର୍ବନିମ୍ନ ପତାଣ ହଜାର ଚାଷୀଙ୍କର ଜୀବିକା ନିର୍ବାହ ସହଜ ଓ ସୁଗମ ହୋଇ ପାରିବ । ସେମାନଙ୍କର ବେକାରୀ ସମସ୍ୟା ଦୂର ହୋଇ ପାରିବ ।

ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ଦାସ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ ଭାବରେ ପରିବେଶ ସୁରକ୍ଷା, କର୍ମ ନିୟୁକ୍ତି ଓ ବେକାରୀ ସମସ୍ୟାର ସହଜ ସମାଧାନ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ କରି ଆସିଛନ୍ତି । ଓଡ଼ିଶାର କେତେକ ଚାଷୀଙ୍କୁ ଏହି ସବୁ କାର୍ଯ୍ୟରେ ସଂଗଠିତ କରି ସେ ଦେଶ ବିଦେଶରେ ବହୁ ସୁନାମ ଆଣିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଓଡ଼ିଶାର ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ଦେଶ ବିଦେଶରେ ପରିଚିତ କରାଇ ପାରିଛନ୍ତି । ଫଳରେ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ବ୍ୟାବସାୟିକ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଦାସଙ୍କୁ ଅନୁକରଣ କରିବାକୁ ଆଗଭର ହେଉଛନ୍ତି ।

ଅନ୍ୟ ଏକ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସ୍ୱରୂପ ଶ୍ରୀ ଦାସ ବଲାଙ୍ଗୀର, କେଉଁଝର, ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଓ ଅନ୍ୟ କେତେକ ଜିଲ୍ଲାରେ ଲେମନ ଗ୍ରାସ ଉତ୍ପାଦନ କରି ନିଜର ପରାକାଷ୍ଠା ପ୍ରତିପାଦନ କରି ପାରିଛନ୍ତି । ଲେମନ ଗ୍ରାସ ଚାଷୀମାନେ ଏହା ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଚୁର ଅର୍ଥ ଉତ୍ପାଦନ କରି ପାରୁଛନ୍ତି । ସେମାନଙ୍କର ବେକାରୀ ସମସ୍ୟା ଦୂର ହେଉଛି, ବଳିବାର ମାନଦଣ୍ଡରେ ଉନ୍ନତ ପରିଲକ୍ଷିତ ହେଉଛି । ଏହା ସହିତ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲାରେ ପ୍ରାୟତଃ ୭୦ ହେକ୍ଟର ଜମିରେ ସର୍ପଗନ୍ଧା ବୃକ୍ଷ ଚାଷ ଓ ୫୦୦ ହେକ୍ଟର ଜମିରେ ଲେମନ ଗ୍ରାସ ଚାଷ କରି ୧୨୦୦ ଚାଷୀଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କ ଜୀବିକାଜନରେ ସହାୟକ ହୋଇ ପାରିଛନ୍ତି । ଉକ୍ତ ଚାଷୀମାନେ ଶତପ୍ରତିଶତ ବ୍ୟବସାୟ କରି ବ୍ୟାବସାୟିକ ସଫଳତା ଲାଭ କରି ପାରିଛନ୍ତି । ଉକ୍ତ ଲେମନ ଗ୍ରାସ ଚାଷ ଫଳରେ ସଂଯୁକ୍ତ ଚାଷୀମାନେ ଯୁରୋପ ଓ ଆମେରିକାର ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ବଜାର ସହିତ ସଂଯୁକ୍ତ ହେବାରେ ସହାୟକ ହୋଇ ପାରିଛନ୍ତି । ବିଗତ ୨୦୧୮-୨୦୧୯ ଅର୍ଥକ ବର୍ଷରେ ଏହି ସବୁ ଚାଷରୁ ୨ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ବ୍ୟବସାୟ ହୋଇ ପାରିଛି ।

ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଦାସ ପେଶାରେ ଜଣେ ତାଲିମପ୍ରାପ୍ତ ଫରେଷ୍ଟର ଭାବରେ ତାଙ୍କର କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ, ଯେଉଁଥିରେ ତାଙ୍କର ସୁଦୀର୍ଘ ୧୬ ବର୍ଷର ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି । ଜଣେ ଫରେଷ୍ଟର ଭାବରେ ତାଙ୍କର କାର୍ଯ୍ୟକାଳ ସମୟରେ ସେ ବିଭିନ୍ନ ବୃକ୍ଷ, ତାହାର ଗୁଣବତ୍ତା, ଉପାଦେୟତା ଇତ୍ୟାଦି ଉପରେ ଗବେଷଣା କରି ନିଜକୁ ଜଣେ ଉଦ୍ଭିଦ ବିଜ୍ଞାନୀ ଭାବରେ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ କରାଇ ପାରିଛନ୍ତି । ତେଣୁ ଉକ୍ତ ଉପାଦେୟ ବୃକ୍ଷ ସମୂହକୁ ସେ ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରୁ ଆଣି ଲୋକ ଲୋଚନରେ ପହଞ୍ଚାଇ ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କୁ ସେପ୍ରତି ସଚେତନ ଓ ଆକୃଷ୍ଟ କରାଇବାରେ ସଫଳ ହେଲେ । ତେଣୁ ସେ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷମାନଙ୍କୁ ଜଙ୍ଗଲରୁ ଉଦ୍ୟାନକୁ ଆଣି ତାହାର ସୁରକ୍ଷା କରିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ତାହାର ଉପାଦେୟତା ଉପରେ ଜନ ସଚେତନତା ସୃଷ୍ଟି କରାଇ ପାରିଲେ । ପରେ ସେ ତାହାକୁ ବ୍ୟବସାୟରେ ପରିଣତ କରିବାକୁ ଯାଇ ଓଡ଼ିଶାର ବେକାର ବସିଥିବା ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ଏଥିପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ କରାଇ ଏହାର ବ୍ୟବହାର ଓ ବିପଣନ ଦିଗରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ଲାଗିଲେ । ତାଙ୍କର ଔଷଧୀୟ ଚାଷ ଉପରେ ଭରପୂର ଅଭିଜ୍ଞତା ତାଙ୍କୁ ଦେଶର ଏକ ଅଗ୍ରଣୀ ଏକଜିଓ ଭାବରେ ସ୍ୱୀକୃତି ଦେଇ ପାରିଛି ।



Sadabahar (*Catharanthus alba*)



Batch (*Acorus calamus*)



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina*)



ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ଦାସ